कविता / राजनीति और सत्य-असत्य

डॉ. रामवीर

क्या कहने से वोट मिलेंगे क्या कहने से घट जाएंगे,
यही सोच जो बोला करते वे सच सच क्यों बतलाएंगे।

जिनके लिए करेक्ट वही है जो हो पोलिटिकली करेक्ट,
वे बस अंड बंड गाएंगे कभी न बोलेंगे एग्जैक्ट।

'सत्यमेव जयते' का नारा यूं तो है आदर्श हमारा,
किन्तु सभी में ऐकमत्य है सब असत्य का लेते सहारा।

'सत्यं शिवं सुन्दरम' तीनों राजनीति से हुए नदारद,
जीत जाए जो किसी तरह भी राजनीति में वही विशारद।

सीट- निकालू कैंडिडेट हो चाहे हो कितना भी करप्ट,
जीतने वाला भ्रष्टाचारी नेता भी सब को एक्सेप्ट।

कौन बताए देश-दशा यह कैसे हुई औ किस के कारण,
जिनका काम बताना था वे हो गए हैं चान्दी के चारण।

हमें प्रतीक्षा है कोई तो आगे आएगा नरपुंगव,
जो असत्य को हरा सत्य की जीत दिखाए कर के सम्भव।

गान्धी जी ने सारा जीवन किए सत्य के साथ प्रयोग,
आज नाम ले कर उनका ही असत्य का होता है उपयोग।

माफी मांगण तै ना धोये जां

मंगत राम शास्त्री

माफी मांगण तै ना धोये जां गे दाग तेरे मोद्दी।
घड़े पाप के फुट्टैं गे जो भर भर तनै धरे मोद्दी।।

पंद्रह लाख घलैं खात्त्यां म्हं झूठ बोल कै आया था
करी नोटबन्दी फेर सारा देश लैन म्हं लाया था
डेढ़ सौ माणस मरवाये तनै भारी जुलम करे मोद्दी।

जी एस टी तै ब्यापारियां कै गोल़ा-लाट्ठी देई तनै
ले कै नाम विकास का घोटाल्यां पै माट्टी देई तनै
कोरोना के फण्ड म्हं भी तनै छिकमा नोट चरे मोद्दी।

मजदूरां की गेल्यां भी करी अणहोणी बेइमान तनै
यार अडाणी और अंबाणी कर दिये छिक धनवान तनै
संसद म्हं बिन चर्चा काल़े कानुन पास करे मोद्दी।

लाट्ठी गोल़ी गाड्डी पाणी ना आंसू गैस काम आई
जात धर्म की फूट और ना टीवी- बहस काम आई
शांतमयी आंदोलन आग्गै आखिरकार डरे मोद्दी।

कहै मंगतराम तनै बेरा था या जोदयां तै पड़री गाफ्फी
सात सौ किसान खपा कै नै इब बेइमान मांग्गै माफी
तेरी घींस बांध कै छोड्डैं गे ये हाड-फोड़ खसरे मोद्दी।

(मंगत राम शास्त्री की नवंबर 2021 मैं किसान आंदोलन पर लिखी रागिनी.)

विशेष/ साल था 1971 और महीना था नवंबर

"अगर भारत पाकिस्तान में अपनी नाक घुसाएगा तो अमेरिका अपना जाल बंद नहीं रखेगा। भारत को सबक सिखाया जाएगा।"

- रिचर्ड निक्सन

"भारत अमेरिका को मित्र मानता है, बॉस नहीं। भारत अपना भाग्य स्वयं लिखने में सक्षम है। हम जानते हैं और जानते हैं कि परिस्थितियों के अनुसार हर एक से कैसे निपटना है।"

- इंदिरा गांधी

भारतीय प्रधान मंत्री इंदिरा गांधी ने व्हाइट हाउस में अमेरिकी राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन के साथ बैठकर, आँख से आँख मिलाते हुए, ये सटीक शब्द कहे। इस घटना का वर्णन तत्कालीन सक्रेटरी ऑफ स्टेट और एनएसए हेनरी किसिंजर ने अपनी आत्मकथा में किया है।

यही वह दिन था जब इंदिरा गांधी ने भारत-अमेरिका संयुक्त मीडिया संबोधन को रद्द कर दिया था और अपने अनोखे अंदाज में व्हाइट हाउस से चली गईं थीं।

किसिंजर ने इंदिरा गांधी को अपनी कार में बिठाते समय टिप्पणी की थी, "मैडम प्राइम मिनिस्टर, क्या आपको नहीं लगता कि आप राष्ट्रपति के साथ थोड़ा और धैर्य रख सकती थीं?"

इंदिरा गांधी ने जवाब दिया, "आपके बहुमूल्य सुझाव के लिए धन्यवाद, सचिव महोदय। एक विकासशील देश होने के नाते, हमारी रीढ़ सीधी है- और सभी अत्याचारों से लड़ने के लिए पर्याप्त इच्छाशक्ति और संसाधन हैं। हम साबित करेंगे कि वे दिन चले गए जब कोई शक्ति अक्सर हजारों मील दूर से किसी भी राष्ट्र को नियंत्रित कर सकती थी।"

इसके बाद जैसे ही उनका एयर इंडिया बोइंग दिल्ली के पालम रनवे पर उतरा, इंदिरा गांधी ने विपक्ष के नेता अटल बिहारी वाजपेयी को अपने आवास पर बुलाया।

बंद दरवाजे के पीछे एक घंटे की चर्चा के बाद, वाजपेयी को जल्दी से वापस लौटते देखा गया। इसके बाद पता चला कि वाजपेयी संयुक्त राष्ट्र में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे।

बीबीसी के डोनाल्ड पॉल ने वाजपेयी से सवाल किया था, "इंदिरा जी आपको एक कट्टर आलोचक मानती हैं। इसके बावजूद, क्या आप निश्चित हैं कि आप संयुक्त राष्ट्र में इसके पक्ष में अपना गला (आवाज) बुलंद करेंगे? निवर्तमान सरकार?"

वाजपेयी ने जवाब दिया, "गुलाब बगीचे की शोभा बढ़ाता है, लिली भी। हर कोई इस विचार से घिरा हुआ है कि वे व्यक्तिगत रूप से सबसे सुंदर हैं। जब बगीचा संकट में पड़ता है, तो यह कोई रहस्य नहीं है कि बगीचे को अपनी सुरक्षा करनी होती है।" सुंदरता एक है। मैं आज बगीचे को बचाने आया हूं। इसे भारतीय लोकतंत्र कहा जाता है।"

परिणामी इतिहास हम सभी जानते हैं। अमेरिका ने पाकिस्तान को 270 मशहूर पैटन टैंक भेजे, उन्होंने विश्व मीडिया को यह प्रदर्शित करने के लिए बुलाया कि ये टैंक विशेष प्रौद्योगिकी के तहत निर्मित किए गए थे, और इस प्रकार अविनाशी हैं/थे। इरादा बिल्कुल साफ था, यह शेष विश्व के लिए एक चेतावनी संकेत था कि किसी को भी भारत की मदद नहीं करनी चाहिए।

अमेरिका यहीं नहीं रुका, भारत को तेल आपूर्ति करने वाली एकमात्र अमेरिकी कंपनी बर्मा-शेल को बंद करने के लिए कहा गया। अमेरिका ने उन्हें सख्त लहजे में कहा कि वे अब भारत के साथ व्यवहार बंद कर दें। उसके बाद भारत का इतिहास केवल प्रतिकार करने का ही रहा। इंदिरा गांधी की तीक्ष्ण कूटनीति ने सुनिश्चित किया कि यूक्रेन से तेल आए।

केवल एक दिन तक चली लड़ाई में थार रेगिस्तान में 270 पैटन टैंकों में से अधिकांश को नष्ट कर दिया गया। नष्ट किए गए टैंकों को यातायात चौराहों पर प्रदर्शन के लिए भारत लाया गया। राजस्थान के गर्म रेगिस्तान आज भी गवाह बने हुए हैं जहां अमेरिका का गौरव नष्ट हो गया था।

उसके बाद अठारह दिनों तक चले युद्ध की परिणति 93,000 पाकिस्तानी युद्धबंदियों को पकड़ने में हुई।

मुजीबुर रहमान को लाहौर जेल से रिहा कर दिया गया।

अब मार्च का महीना था - इंदिरा गांधी ने भारतीय संसद में बांग्लादेश को एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में मान्यता दी।

वाजपेयी ने इंदिरा गांधी को "मां दुर्गा" कहकर संबोधित किया था।

इन घटनाओं के दीर्घकालिक प्रकट परिणामों का एक पैकेट था।

- भारत की अपनी तेल कंपनी, अर्थात इंडियन ऑयल अस्तित्व में आया।

-भारत ने दुनिया की नजरों में खुद को एक ताकतवर राष्ट्र के रूप में व्यक्त किया।

- भारत ने गुटनिरपेक्ष आंदोलन (NAM) का आगे बढ़कर नेतृत्व किया। इसका नेतृत्व निर्विवाद था।

हालांकि, ऐसी ताकत वाले समय और घटनाएं अतीत और ज्ञान की महान गहराइयों में डूब गईं।

आज तक का सच्चा इतिहास फिर भी एक कड़ी के रूप में बना हुआ है जिसे पीढ़ियों तक हस्तांतरित करने की आवश्यकता है।

घर बैठे प्राप्त करें मज़दूर मोर्चा

आज ही अपने हॉकर से कहें, कोई दिक्कत हो तो शर्मा न्यूज एजेंसी से फोन नं 9811159238 पर बात करें। बल्लबगढ़ के पाठक अरोडा न्यूज एजेंसी से 9811477204 पर बात करें।

अन्य बिक्री केन्द्र :

1. प्रिंट फोर्ट, टेलीफोन एक्सचेंज के सामने नेहरू ग्राउंड।
2. रेलवे बुक स्टाल ओल्ड रेलवे स्टेशन
3. एनआईटी रेलवे स्टेशन के बाहर बाटा चौक पुल के नीचे।
4. जितेन्द्र, बाटा सेंटर - 9971064207
5. मोती पाहुजा - मिनार गेट पलवल, 9255029919
6. सुरेन्द्र बघेल-बस अड्डा होडल - 9991742421

Paytm
MM
Majdoor Morcha
UPI ID: 8851091460@paytm
8851091460
Scan this QR or send money to 8851091460 from any app. Money will reach in Majdoor Morcha's bank account.

केवल पाठकों के दम पर चलने वाले इस अखबार को सहयोग देकर अपनी आवाज को बुलंद रखें।

मज़दूर मोर्चा- खाता संख्या- 451102010004150

IFSC Code : UBIN0545112
Union Bank of India, Sector-7, Faridabad